श्री गणेशाय नमः

हिन्दुस्तान चेम्बर ऑफ कॉमर्स

108वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

प्रिय सदस्यगण,

हिन्दुस्तान चेम्बर ऑफ कॉमर्स का वर्ष 2005-06 का वार्षिक प्रतिवेदन आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है.

वर्ष 2005-06 में देश का आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक रहा. कृषि, औघोगिक उत्पादन, सेवा, निर्यात, निर्माण आदि सभी क्षेत्रों में बढ़ोतरी का रुझान रहा. देश के सकल घरेलू उत्पाद में उल्लेखनीय वृद्धि हुई. वस्त्र उत्पादन में भी 16.4% की वृद्धि हुई. देश का कुल निर्यात 13 बिलियन डॉलर से बढ़कर इस वर्ष 17 बिलियन डॉलर हो गया. विदेशी निवेशकों ने भी इस प्रगति को देखते हुए अपने निवेश में काफी बढ़ोतरी की. अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर माना जानेवाला शेयर बाजार उछाल पर रहा. कुल मिलाकर यह वर्ष आर्थिक दृष्टिकोण से सराहनीय रहा.

कपड़ा व्यवसाय पिछले कुछ वर्षों की तुलना में प्रगति की राह पर बढ़ता दिख रहा है. वर्ष 2006-07 के बजट में इस उद्योग के लिए अनेक प्रकार की सुविधाओं का प्रावधान किया गया है. भारत सरकार ने विभिन्न प्रकार की योजनाओं के माध्यम से इस उद्योग का सर्वांगीण विकास करने का निश्चय किया है. तकनीकी उन्नयन निधि योजना (TUFS) के अंतर्गत कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की समयावधि 31 मार्च, 2007 तक है. इस अवधि को बढ़ाने के लिए चेम्बर ने कपड़ा एवं वित्तमंत्री को ज्ञापन भेजे है. मशीनरी आयात में कर राहत दिलाई गई है. मैनमेड फायबर, यार्न फिलामेन्ट पर उत्पाद शुल्क घटाया गया है. एकीकृत टेक्सटाइल पार्क योजना के अंतर्गत कई पार्को को मंजूरी मिली है. विशेष आर्थिक परिक्षेत्र (S.E.Z.) की स्थापना हो रही है. सूती वस्त्रों की वृद्धि के लिए भी उचित वातावरण बना है. हथकरघा क्षेत्र में निवेश हो रहा है. बुनकरों के लिए बीमा योजना लागू की गई है. गार्मेण्ट एवं मेड अप्स तथा गृहोपयोगी वस्त्रों के निर्यात में लगातार वृद्धि हो रही है.

जहाँ एक तरफ हमें अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर नजर आती है वहीं दूसरी ओर कुछ नकारात्मक पहलू भी सामने आ रहे हैं. एक ओर जहाँ महँगाई में वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी ओर ब्याज दरों में भी बढ़ोतरी दिख रही है. यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो भारत एक गहरे आर्थिक संकट में घिर सकता है.

गतिविधियाँ

वस्त्र व्यापार मेला एशियाटेक्स -2007

कोटा पद्धति की समाप्ति के बाद बदले अंतर्राष्ट्रीय माहौल से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने तथा कपड़ा व्यापार को नई गतिशीलता प्रदान करने के उद्देश्य से चेम्बर ने पुन: एक बार एशियाटेक्स - 2007 नामक वस्त्र व्यापार मेला आयोजित करने की योजना बनाई है. यह आयोजन दि.22 से 25 फरबरी, 2007 को बॉम्बे एक्जीबिशन सेन्टर, गोरेगॉव, मुंबई में होगा. विशाल पैमाने पर आयोजित होने जा रहे इस वस्त्र मेले में फैब्रिक्स, गार्मेण्ट्स, यार्न एवं एक्सेसरीज के व्यवसायी अपने नवीनतम उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएँगे. इसमें विदेशों के उत्पादकों एवं आयातकों के भी भाग लेने की संभावना है.

चेम्बर का यह आयोजन मुंबई के कपड़ा व्यवसाय को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेगा.

ट्रेड के लिए अखिल भारतीय महासंघ का प्रस्ताव

इण्डस्ट्री की हित रक्षा के लिए अखिल भारतीय स्तर के फोरम मौजूद हैं तथा इण्डस्ट्री की समस्याएँ बेहतर ढ़ंग से सरकार के समक्ष प्रस्तुत कर उनका निदान किया जाता है. ट्रेड के लिए इस प्रकार की कोई संस्था नहीं है. इसलिए इसकी आवाज अनसुनी कर दी जाती है. चेम्बर ने इसे महसूस करते हुए कपड़ा व्यवसाय में अखिल भारतीय स्तर का एक फेडरेशन बनाने का विचार किया. इस संदर्भ में देश भर की वस्त्र से संबंधित प्रमुख संस्थाओं को पत्र लिखकर उनकी राय ली जा रही है. कुछ संस्थाओं से सकारात्मक प्रतिसाद भी प्राप्त हुए हैं. इस बारे में चेम्बर का प्रयास जारी है.

वैट एवं फ्रिंज बेनीफिट टैक्स पर सेमिनार

चेम्बर द्वारा दि.8.10.2005 को वैट एवं फ्रिंज बेनीफिट टैक्स पर एक सेमिनिार आयोजित किया गया. इसमें FBT पर प्रख्यात् चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट श्री शंकरलाल जैन तथा वैट पर प्रमुख एडवोकेट श्रीमती निकिता वधेका ने सदस्यों को उपयोगी जानकारियाँ दीं एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया.

इन्हीं विषयों पर चेम्बर ने फिक्की को उनके वार्षिक अधिवेशन में विचारार्थ प्रस्ताव भी भेजे.

प्लास्टिक पर पाबंदी का विरोध

महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्लास्टिक पर सीमित प्रतिबंध से कपड़ा व्यवसाय के समक्ष उत्पन्न होनेवाली कठिनाइयों से अवगत कराते हुए चेम्बर ने केन्द्रीय पर्यावरण सचिव श्री बी. पी. पांडे, फिक्की, नई दिल्ली एवं महाराष्ट्र सरकार से ज्ञापन भेजे.

वेस्टर्न इण्डिया ट्रेड कॉन्फ्रेन्स

इण्डियन मर्चेण्ट्स चेम्बर द्वारा दि. 20 एवं 21 जनवरी, 2006 को वाय. वी. चव्हाण सेन्टर में वेस्टर्न इण्डिया ट्रेड कॉन्फ्रेन्स आयोजित किया गया जिसमें चेम्बर भी सह आयोजक था. इस कॉन्फ्रेन्स में ट्रेड से संबंधित विषयों पर गहन चर्चा हुई तथा विभिन्न समस्याओं के बारे में संबंधित मंत्रालयों तथा विभागों से सम्पर्क कर उनके निदान हेतु प्रयास करने का निश्चय किय गया.

हाइ टेक वीविंग पर सेमिनार

चेम्बर ने पावरलूम डेवलपमेन्ट एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल (PDEXCIL)के सहयोग से दि.9,10 एवं 11 मार्च, 2006 को हाइ टेक वीविंग पर 3 दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया. सेमिनार का विषय था - "Entrepreneurship Development Programme for Promoting Hi-tech Weaving Unit." इसमें करीब 50 सदस्यों ने भाग लिया. यह कार्यक्रम अत्यन्त सफल रहा.